| हिन्दुस्तानी संगीत - स्वरवाद्य में स्नातक(बी0ए0) | | | | |
|---|---|---|---|---|
| *उद्देश्य - इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को गायन शैलियों, स्वरलिपि पद्धति, प्रसिद्ध स्वर वाद्य वादकों के जीवन एवं स्वर वाद्यों की रचनाओं से अवगत कराना है तथा पाठ्यक्रमानुसार स्वर वाद्य के प्रयोगात्मक पक्ष की शिक्षा प्रदान करना है।* | | | | |
| **तृतीय सेमेस्टर का पाठ्यक्रम कोर** | | | | |
| **क्र0 सं0** | **कोर्स शीर्षक** | **कोर्स कोड** | **अंक** | **श्रेयांक** |
| **1** | **हिन्दुस्तानी संगीत की शैलियाँ** | **BAMI(N)-201** | **50** | **2** |
| **प्रथम खण्ड** | **इकाई 1-** तराना, त्रिवट, गजल, कव्वाली, सादरा, चतुरंग, सरगम गीत, लक्षण गीत, कजरी एवं चैती का अध्ययन ; ध्रुपद की उत्पत्ति, विकास एवं घराने। | | | |
| | **इकाई 2-** विष्णु दिगम्बर स्वरलिपि पद्धति का परिचय एवं भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति से तुलना\| | | | |
| | **इकाई 3-** संगीतज्ञों का जीवन परिचय ( पं0 तानसेन, उ0 अलाउद्दीन खाँ, उ0 इमदाद खाँ ) । | | | |
| | **इकाई 4-** संगीत सम्बन्धी विषयों पर निबन्ध। | | | |
| | **इकाई 5-** पाठ्यक्रम के रागों विहाग, बागेश्री एवं वृन्दावनी सारंग का परिचय, स्वर विस्तार एवं स्वर समूह के माध्यम से राग पहचानना तथा उनमें मसीतखानी/विलम्बित गत को तोड़ो सहित लिपिबद्ध करना। | | | |
| | **इकाई 6-** पाठ्यक्रम के रागों विहाग, बागेश्री एवं वृन्दावनी सारंग में रजाखानी/द्रुत गत को तोड़ो सहित लिपिबद्ध करना। | | | |
| | इकाई 7 - पाठयक्रम की तालों झपताल एवं धमार ताल का परिचय एवं बोल समूह द्वारा ताल पहचानना ; पाठयक्रम की तालों झपताल एवं धमार ताल के ठेके को दुगुन, तिगुन एवं चौगुन लयकारी सहित लिपिबद्ध करना। | | | |
| **2** | **प्रयोगात्मक एवं मौखिक परीक्षा III** | **BAMI(N)-201** | **50** | **2** |
| **द्वितीय खण्ड** | **इकाई 8-** राग विहाग एवं बागेश्री का परिचय एवं स्वर विस्तार। | | | |
| | **इकाई 9-** राग विहाग एवं बागेश्री में मसीतखानी/विलम्बित गत एवं रजाखानी/द्रुत गत आलाप एवं तोड़े सहित। | | | |
| | **इकाई 10-** राग वृन्दावनी सारंग का परिचय एवं स्वर विस्तार \| | | | |
| | **इकाई 11-** राग वृन्दावनी सारंग में रजाखानी/द्रुत गत आलाप एवं तोड़े सहित । | | | |
| | **इकाई 12-** पाठ्यक्रम के रागों विहाग, बागेश्री एवं वृन्दावनी सारंग में से किसी एक में द्रुत गत तीनताल के अतिरिक्त किसी और ताल में । | | | |
| | **इकाई 13-** पाठ्यक्रम के तालों झपताल एवं धमार की पढन्त। | | | |
| | **इकाई 14-** पाठ्यक्रम की तालों झपताल एवं धमार ताल के ठेकों को दुगुन, तिगुन व चौगुन लयकारी में पढ़ना। | | | |
| | **इकाई 15-** पाठ्यक्रम सम्बन्धित मौखिक परीक्षा। | | | |
| **राग - विहाग, बागेश्री एवं वृन्दावनी सारंग** | | | **ताल - झपताल एवं धमार** | |
| **नोट - पूर्व सेमेस्टरों के पाठ्यक्रम (प्रयोगात्मक) की पुनरावृत्ति** | | | | |